सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 254 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 21 अक्टूबर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

चलिए आम चीजों से हट कर सोचें और एक ऐसा वातावरण बनाएं जहां इस तरह की सोच को प्रोत्साहन मिले और उसे पुरस्कृत किया जाए और जहां फेल होना भी ठीक हो।

– इलोन मस्क

न्यूजीलैंड महिला टीम पहली बार... 7 | तेजस्वी यादव ने झारखंड मुक्ति... 3 | महाराष्ट्र: अखिलेश यादव की एंट्री... 2

योगी सरकार में दरिंदों से खाकी ही नहीं सुरक्षित

दरिंदगी का शिकार हुई महिला पुलिसकर्मी

करवाचौथ मनाने जा रही कॉन्सटेबल से रेप

आपराधिक मानसिकता वाले और अपराधियों के हौसले बुलंद

महिला पुलिसकर्मी को मेडिकल के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा

महिला पुलिसकर्मी ने दरिंदे का विरोध किया उसके चेहरे पर अपने नाखूनों से कई वार किए, यहां तक कि उसकी एक उंगली को अपने दांतो से चबा लिए और जोर जोर से शोर भी मचाया लेकिन दरिंदे ने फिर भी महिला सिपाही को नहीं छोड़ा उसे अपनी हवस का शिकार बना डाला, जब महिला की आवाज जब ग्रामीणों तक पहुंची तो भीड़ इकट्ठा हो गई जिसके बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया महिला पुलिसकर्मी फटे हुए कपड़ों के साथ खेतों में थी, ग्रामीण शोर सुन उसकी मदद की महिला को सुरक्षित स्थान पर ले गए और पुलिस को सूचना भी दी। जिसके बाद महिला की आप बीती पर पुलिस हरकत में आई और आनन-फानन आरोपी की तलाश शुरू कर दी। महिला आरोपी की पहचान नहीं बता सकी लेकिन उसने पुलिस को इस बात की जानकारी दी कि जबरदस्ती के दौरान उसने आरोपी के चेहरे पर अपने नाखूनों ने नोचा था और आरोपी के हांथ की एक उंगली को दांतों से काटा भी था जिसके चलते पुलिस एक्टिव हुई और फिर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, फिलहाल पुलिस ने महिला पुलिसकर्मी को मेडिकल के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा है जहां उसका उपचार कराया जा रहा है।

> महिला सादे कपड़े में अपने घर जा रही थी। महिला सिपाही ने आरोपी से लिपट ली और घर जाते समय रास्ते में सुनसान जगह पाकर आरोपी उसको जबरदस्ती खेत में खींच ले गया और वहां उसका रेप किया। महिला ने मामले की सूचना स्थानीय चौकी में दी जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया।
>
> रंजीत कुमार, एसीपी, घाटमपुर

» पीड़िता ने आरोपी की उंगली दांतों से चबा डाली

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ यूपी की योगी सरकार को कानून व्यवस्था को लेकर जमकर अपने मुंह मिया मिट्टू बनने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ती लेकिन हक़ीकत दावों से बहुत दूर है। अपराध पर लगाम लगाने का दावा ठोकने वाली योगी सरकार की पुलिस कानून-व्यवस्था को लेकर लगातार सवालों के घेरे में खड़ी हो रही है। यूपी में कहने को तो लगभग रोज किसी न किसी जिले में पुलिस का ऑपरेशन लंगड़ा जारी है लेकिन यूपी में अपराधियों और अपराधों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है।

यूपी में इन दिनों योगी सरकार की पुलिस खुद नहीं सुरक्षित है तो आम लोग कि सुरक्षा कैसे होगी ये बड़ा सवाल है? प्रदेश में आधी आबादी यानी महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं, योगी सरकार भले ही महिलाओं के आत्मनिर्भर, मजबूत और सशक्तिकरण की बड़ी-बड़ी बातें करती हों लेकिन हालात कुछ और ही बयां करते हैं। तमाम प्रयासों के बावजूद भी यूपी की कानून व्यवस्था अपराधों के सामने खुद को बौना ही पाती है। ताजा मामला कानपुर जिले का है जहां एक दरिंदे ने करवाचौथ पर ड्यूटी से ससुराल जा रही महिला हेड कांस्टेबल के साथ रेप कर दिया। ऐसे में यूपी के लोगों का योगी सरकार से सवाल है कि एक महिला कांस्टेबल जो खुद लोगों की सुरक्षा में खड़ी रहती है। अगर प्रदेश में वो खुद नहीं सुरक्षित है तो आम महिलाएं खुद को कैसे सुरक्षित महसूस करेंगीं। योगी सरकार की जिस पुलिस पर जनता अपनी हिफाजत का भरोसा जताती है वो खाकी भी अब महफूज नहीं है, आपराधिक मानसिकता वाले और अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि एक महिला पुलिसकर्मी को निशाना बनाने से नहीं चूक रहे हैं। दरअसल अयोध्या में तैनात एक महिला पुलिस कर्मी छुट्टी लेकर कानपुर अपने ससुराल करवां चौथ त्यौहार को मनाने के लिए आ रही थी। महिला की ससुराल कानपुर के सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र में पड़ता है, महिला जब देर शाम ट्रेन से उतरी तो घर कुछ दूर ही होने के चलते वह पैदल ही चल पड़ी। बिना वर्दी के सिविल कपड़ों में आ रही महिला को सुनसान क्षेत्र में देख एक दरिंदे ने महिला पुलिसकर्मी को जबरन बदनीयती के इरादे से खेतों में लेजाकर उसके साथ बलात्कार की घटना को अंजाम दे दिया।

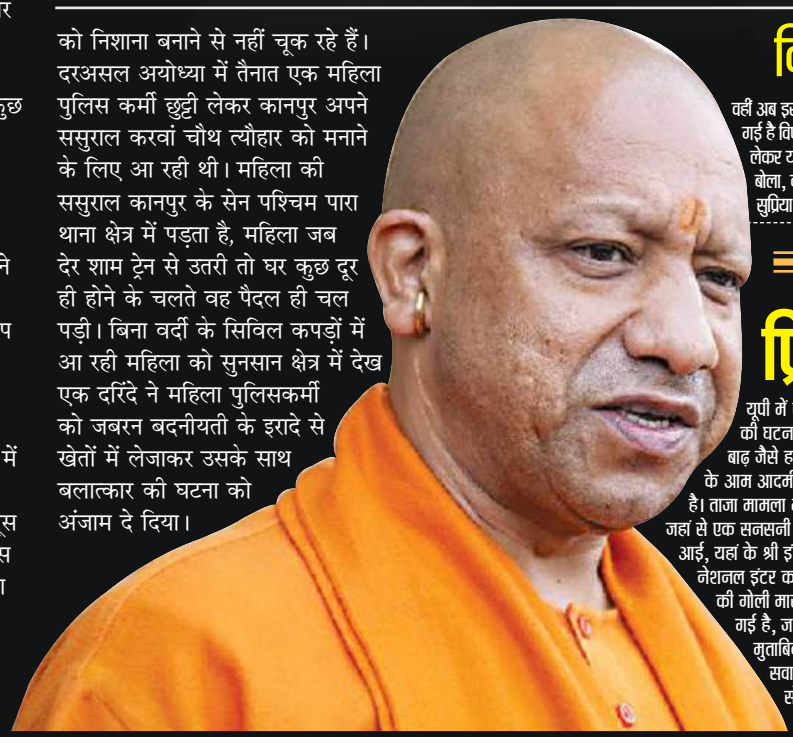

विपक्ष ने बोला योगी सरकार पर कड़ा हमला

वहीं अब इस मामले में सियासत तेज हो गई है विपक्षी पार्टियों ने इस वारदात को लेकर योगी सरकार पर कड़ा हमला बोला, कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यूपी की योगी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा उत्तर प्रदेश के जंगलराज का जीता जागता प्रमाण बन गया है, अयोध्या में कार्यरत एक महिला हेड कांस्टेबल करवाचौथ मनाने शाम को घर जा रही थी, एक दरिंदे ने उस महिला हेड कांस्टेबल का खेत में रेप कर किया, जिस राज्य की पुलिस की एक कांस्टेबल का यह हाल है, वहां महिला सुरक्षा की बात करना बेमानी है।

उत्तर प्रदेश में बदमाशों के हौसले बुलंद

प्रिंसिपल की गोली मारकर हत्या

यूपी में रेप और हत्याओं की घटनाओं की इन दिनों बाढ़ जैसे हालात हैं जिससे यूपी के आम आदमी में भय बस गया है। ताजा मामला भदोही जिले का है जहां से एक सनसनी खेज खबर सामने आई, यहां के श्री इंद्र बहादुर सिंह नेशनल इंटर कालेज के प्रिंसिपल की गोली मारकर हत्या कर दी गई है, जानकारी के मुताबिक अज्ञात बाइक सवार हमलावरों ने सोमवार को प्रिंसिपल योगेंद्र बहादुर सिंह की पहले कार को रोकी और फिर कर उन पर फायरिंग शुरू कर दी, गोली लगने से उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि श्री इंद्र बहादुर सिंह नेशनल इंटर कालेज भाजपा काशी प्रांत के क्षेत्रीय मंत्री आशीष बघेल का है... घटना भदोही कोतवाली क्षेत्र के बसवानापुर की में हुई है जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रिंसिपल के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घटना की जांच में जुट गई है, वहीं इस घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। भदोही पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक भदोही सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण द्वारा फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

महाराष्ट्र: अखिलेश यादव की एंट्री से बढ़ी इंडिया गठबंधन की चुनौती!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट यानी शिवसेना और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर मतभेद खुलकर सामने आ रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) ने पहले ही साफ कर दिया है कि वह महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले के साथ सीटों के बंटवारे पर चर्चा नहीं करेगी।

इसी बीच कांग्रेस के सूत्रों ने दावा किया है कि आने वाले एक-दो दिन में सीट बंटवारे के मुद्दे को सुलझा लिया जाएगा। राज्य के विपक्षी दलों के महा विकास अघाड़ी गठबंधन में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का शरद पवार का गुट शामिल है।

अखिलेश यादव ने भी मांगी सीटें

जानकरी के अनुसार, समाजवादी पार्टी (सपा) ने महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी से 12 सीटों की मांग की है। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने धुले विधानसभा सिटी सीट से उम्मीदवार की भी घोषणा कर दी है। अखिलेश यादव ने उद्धव ठाकरे से भी बात की है। अखिलेश यादव द्वारा मांगी जा रही सीटों को लेकर भी गठबंधन में खींचतान हो सकती है क्योंकि कांग्रेस और शिवसेना यूबीटी उन सीटों को एसपी को नहीं देना चाहती है। फिलहाल बातचीत जारी है।

जल्द ही सुलझ जाएगा सीट बंटवारे का मुद्दा

कांग्रेस के सूत्रों का दावा है कि महा विकास अघाड़ी गठबंधन में कुछ सीटों पर मतभेद एक या दो दिन में सुलझ जाएगा। सीट बंटवारे में समस्या यह है कि शिवसेना (यूबीटी) उन जगहों पर भी दावा कर रही है जहां अल्पसंख्यक ज्यादा हैं और जो कांग्रेस का का गढ़ है। सपा भी इन सीटों पर अपना दावा ठोक रही है। शिवसेना (यूबीटी) मुंबई की सीटें जैसे वर्सोवा, भाइकला और कुछ अन्य सीटें पर अपना दावा पेश कर रही है। हालांकि दोनों पार्टियां साथ में ही चुनाव लड़ना चाहती हैं। ऐसे में आने वाले समय में इस मुद्दे को सुलझा लिया जाएगा। पिछली बार जीशान ने कांग्रेस के लिए बांद्रा ईस्ट से जीत हासिल की थी। अब इस सीट पर शिवसेना यूबीटी ने अपना दावा पेश कर दिया है।

यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष समेत 22 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष समेत 22 के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। यूपी के उद्यान मंत्री और बीजेपी एमएलसी दिनेश प्रताप सिंह का पुतला फूंकने और उनके आवास पर कालिख पोतने के मामले में ये एफआईआर दर्ज की गई है। गौतमपल्ली थाने में दारोगा की तहरीर पर मामला दर्ज किया गया है।

» मंत्री दिनेश सिंह के आवास पर लिखा था चोर फूंका था पुतला

बता दें कि यूपी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कांग्रेस नेता और वायनाड से पार्टी उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा पर विवादित टिप्पणी की थी। जिसके बाद भड़के कांग्रेसी नेताओं ने मंत्री के आवास पर कालिख पोत कर चोर लिख दिया था. फिर इसके अगले दिन आवास के सामने जमकर धरना-प्रदर्शन किया था. उन्होंने मंत्री का पुतला भी फूंका वीआईपी गेस्ट हाउस के पास मंत्री दिनेश प्रताप सिंह का पुतला फूंकने वाले 12 कांग्रेसी नेताओं और 10 अज्ञात जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष, यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष का नाम शामिल है इनके खिलाफ गौतमपल्ली थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने ये केस दारोगा की तहरीर पर लिखा है।

इन लोगों के खिलाफ हुई एफआईआर

दीपक शिवहरे प्रदेश यूथ कांग्रेस अध्यक्ष, श्रीमंत कुमार प्रदेश सचिव, सूफी शाह संत प्रदेश प्रवक्ता युवा कांग्रेस,शरद शुक्ला प्रदेश उपाध्यक्ष मध्य, अभिषेक तिवारी प्रदेश सचिव, अजय कुमार सिंह सेंठवार प्रदेश उपाध्यक्ष यूपी ईस्ट, रिपुंजय उपाध्याय प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस मध्य, अभिजीत तिवारी प्रदेश महासचिव, हरिओम उपाध्याय जिला अध्यक्ष आजमगढ़, प्रद्युमन सिंह प्रदेश संगठन महासचिव मध्य जोन लखनऊ, पवन पटेल प्रदेश महासचिव मध्य जोन लखनऊ, विपुल मिश्र जिलाध्यक्ष बहराइच सहित 10 अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई है। दरअसल, मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने प्रियंका गांधी वाड्रा को लेकर सोशल मीडिया एक पर पोस्ट करते हुए लिखा, अन्ततः लड़की लड़ नहीं पाई और भाग ही गई वहां जहां लड़ना न पड़े। बूढ़ी जो हो गई। दिनेश सिंह के इस पोस्ट के बाद कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने मंत्री के आवास के गेट पर चोर और बेईमान लिख दिया। इसके जवाब में मंत्री ने कहा कि मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा। उन्होंने कहा- प्रियंका गांधी ने एक मंच से संबोधित करते हुए जो कुछ कहा, मैंने बस वही बात लिखी है। दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि प्रियंका उत्तर प्रदेश से चुनाव क्यों नहीं लड़ती हैं, क्योंकि वह डरती हैं। उन्होंने कहा कि मैं अभी भी अपने बयान पर कायम हूं।

मोदी-योगी खुद को मानते हैं सुप्रीम कोर्ट से ऊपर: संजय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहराइच में विजयदशमी के दिन हुई हिंसा के बाद 23 मकानों पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई होनी है, जिसके लिए सभी मकानों, दुकानों को खाली करने का आदेश दिया गया है। इस मामले पर आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद व प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने सरकार पर निशाना साधा है।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि एक घर या दुकान बनाने में गरीब आदमी को कितनी मुश्किल होती है, इसका अंदाजा बीजेपी की डबल इंजन सरकार को नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोज़र पर रोक लगाई है, लेकिन मोदी-योगी खुद को सुप्रीम कोर्ट से ऊपर मानते हैं। सुप्रीम कोर्ट को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए।

पीसीएस और समीक्षा अधिकारी की परीक्षा एक दिन में कराई जाए : वंशराज

आप ने छात्रों के समर्थन में उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग से होने वाली समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी और यूपी पीसीएस की परीक्षा को एक दिन में ही आयोजित करने की मांग की है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे ने कहा कि जिस देश में एक राष्ट्र एक चुनाव की बात हो रही हो वहीं उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार होने के बाद भी एक दिन में लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षा नहीं हो पा रहा है? क्या मेधावी छात्रों के लिए सरकार और आयोग फिर से कोई चालबाजी करने जा रहे हैं।

मिल्कीपुर चुनाव: जानबूझ कर याचिका नहीं कराई गई खारिज: अवधेश प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव को लेकर फंसे पेंच के बीच सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने अपना पक्ष रखा और भाजपा के आरोपों को सिरे से खारिज किया। प्रेसक्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि चुनाव टालने के लिए भाजपा ने जान-बूझकर याचिका वापस लेने की प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया। इस वजह से याचिका खारिज नहीं हो सकी। अब भाजपा के लोग जनता के बीच अपने कृत्यों को छिपाने के लिए भ्रामक बयानबाजी कर रहे हैं, लेकिन जनता सब जान रही है।

उन्होंने कहा कि न्यायालय नियम-कानून के आधार पर चलता है। याचिका वापस लेने के लिए तमाम प्रक्रियाएं होती हैं। जब उन्होंने 12 जून को विधानसभा की सीट से इस्तीफा दे दिया और 13 जून को इसे स्वीकार कर लिया गया तो सीट रिक्त हो गई। यह याचिका मिल्कीपुर विधायक को लेकर दायर थी, लेकिन जब वह विधायक रहे ही नहीं, तो किस हैसियत से वकील खड़ा करेंगे। यदि भाजपा चुनाव की पक्षधर थी तो सीट रिक्त होते ही उन्हें याचिका वापस लेने की प्रक्रिया शुरू करना था। जान-बूझकर चुनाव टालने के मकसद से ही ऐसा किया गया है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में जीत के लिए भाजपा ने ऐड़ी-चोटी का जोर लगाया। तमाम बड़े नेताओं की फौज उतार दी, लेकिन जनता ने उन्हें नकार दिया। इससे देश-दुनिया में अयोध्या-फैजाबाद की खूब चर्चा हुई। इसी से भाजपा डरी-सहमी है और एक साथ उपचुनाव नहीं कराना चाहती है। ताकि पूरा फोकस वह मिल्कीपुर पर ही कर सके और तंत्र का दुरुपयोग हो सके।

सपा सांसद जो ढिंढोरा पीट रहे वह तथ्यों से परे : गोरखनाथ

भाजपा के पूर्व विधायक व याचिकाकर्ता बाबा गोरखनाथ ने कहा कि उन्होंने 22 अप्रैल 2022 को याचिका दाखिल की थी। समाजवादी पार्टी और उसके सांसद अवधेश प्रसाद जो ढिंढोरा पीट रहे हैं, वह तथ्यों से परे है। सपा सांसद झूठों के सरदार हैं। पहले मिल्कीपुर का उपचुनाव टलवाने के लिए हाईकोर्ट में एक दर्जन वकीलों को भेजा। अब कह रहे हैं कि हमने कोई वकील खड़ा नहीं किया। जबकि सच यह है कि मेरी ओर से दायर याचिका को वापस लिए जाने का विरोध करने के लिए अवधेश प्रसाद का वकालतनामा लगा है। सपा चाहती है कि मिल्कीपुर का चुनाव टल जाए। समाजवादी पार्टी के नेता भाजपा से डर गए हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

गिरिराज सिंह की यात्रा से मेरा कोई लेना-देना नहीं: चिराग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के युवा नेता और एलजेपीआर सांसद व केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि पीएम मोदी से उनका आज भी तालमेल बहुत अच्छा है, हमलोग झारखंड में मिली एक सीट से खुश हैं, हमें किसी तरह की कोई नारजगी नहीं है, जो गठबंधन ने फैसला लिया वो सही है। पीएम मोदी ने मेरी कई बातों को स्वीकार किया है। वहीं बिहार के सीएम नीतीश कुमार के स्वास्थ को उन्होंने बिल्कुल सही बताया।

जब उनसे पूछा गया कि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह बिहार में हिंदू सद्भाव यात्रा निकाल रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि देखिए हमारे पीएम नरेंद्र मोदी का एक ही लक्ष्य है, सबका साथ सबका विकास। मैं पीएम मोदी की सोच से चलता हूं। मैं तो उन परिस्थितियों में भी पीएम के साथ था, जब एनडीए के साथ नहीं था। उस वक्त भी मेरा समर्पण पूरी तरह से प्रधानमंत्री की तरफ था। अब किसी के व्यक्तिगत बयान और कार्य से हर कोई सहमत नहीं हो सकता। उनकी यात्रा से मुझे कोई लेना देना नहीं है। ये उनका अपनी यात्रा है, इस पर हम क्या कहेंगे।

तेजस्वी यादव ने झारखंड मुक्ति मोर्चा से की डील फाइनल

राजद का सीट बंटवारे पर हुआ फैसला जदयू ने प्रत्याशी चुने

बिहार विधानसभा के उपचुनाव व झारखंड विधानसभा चुनाव की चर्चा गरम

» बिहार में चार विधानसभा सीटों पर होने है उपचुनाव

» झारखंड में भाजपा ने जदयू को दो सीटें दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजनीति में 'अपर हैंड' बहुत मायने रखने वाली चीज है। अफवाह जो रहे, बिहार उप चुनाव और झारखंड विधानसभा चुनाव में भी इसी 'अपर हैंड' के हाथों में सबकुछ दिख रहा है। चुनाव आयोग से बिहार की चार सीटों पर उप चुनाव और झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद जब नामांकन का समय सामने है, तब तो यही 'अपर हैंड' प्रभावी दिख रहा है।

बिहार विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी भले ही सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन चार सीटों में से दो सीटें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड ने इसी नाते अपने पास रख ली। झारखंड में इसी नाते भाजपा ने जदयू को 11-12 की मांग के सामने महज दो देकर 'सम्मान' दिया। भाजपा में प्रत्याशियों का नाम अटका है, जबकि जदयू मन बना चुका है। इस बीच, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने झारखंड में अपने गठबंधन के 'अपर हैंड' झारखंड मुक्ति मोर्चा से डील फाइनल कर ली है।

इन सीटों पर चुनाव लड़ेगी आजसू

झारखंड विधानसभा की जिन 10 सीटों पर आजसू चुनाव लड़ेगी, उनमें सिल्ली, रामगढ़, गोमिया, इचागढ़, मांडू, जुगसलिया, डुमरी, पाकुड़, लोहरदगा, मनोहरपुर शामिल हैं। वहीं जदयू जमशेदपुर पश्चिम और तमाड़ सीट पर चुनाव लड़ेगी। चतरा विधानसभा सीट चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोजपा रामविलास को दी गई है।

नीतीश कुमार ने भाजपा को चार में से एक सीट दी

राष्ट्रीय जनतात्रिक गठबंधन ने बिहार की चार सीटों के साथ झारखंड का प्लान भी फाइनल कर लिया। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी ने भाजपा को चार में से एक सीट दी है। पूर्व मुख्यमंत्री व मौजूदा केंद्र सरकार के मंत्री जीतन राम मांझी के सांसद बनने से खाली हुई इमामगंज सीट उनकी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा-सेक्युलर के पास ही रहेगी। यहां के हम-से प्रत्याशी के टाइटल में इस बार भी मांझी रहा तो आश्चर्य नहीं। जदयू ने अपने पास बेलागंज सीट रखी है और इसपर मनोरमा देवी का नाम लगभग फाइनल है। वह इस सीट के लगातार पांच बार विधायक रहने के बाद सांसद बने सुरेंद्र यादव के बेटे विश्वनाथ यादव से भिड़ेंगी, यह भी तय है। मनोरमा देवी का परिवार विवादित रहा है और सुरेंद्र यादव का यहां राजनीतिक वर्चस्व है, इसलिए जदयू घोषणा में थोड़ा समय भी ले रहा है और सोच भी रहा है। यहां जदयू इसलिए भी कमजोर है कि पिछली बार उसके प्रत्याशी रहे अभय कुशवाहा इस बार राजद के सांसद बन गए हैं। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की ओर से रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल को प्रत्याशी के रूप में उतारे जाने के कारण चर्चा में आई तरारी सीट पर प्रत्याशी का नाम अभी पक्का नहीं हुआ है। दूसरी तरफ कैमूर जिले के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में इस बार भी भाजपा ही राजद को चुनौती देने उतरेगी। राजद के प्रत्याशी इस सीट से विधायक रहने के बाद सांसद बने सुधाकर सिंह के परिवार से ही रहे तो आश्चर्य नहीं। सुधाकर सिंह राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगतानंद सिंह के बेटे हैं और उनके भाई जदयू होकर राजद में आ चुके हैं।

जनता हमें साथ देखना चाहती है : सुदेश महतो

बाबूलाल मरांडी के साथ रांची के भाजपा कार्यालय में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि हम दोनों पार्टियों का बहुत पुराना संबंध है। झारखंड की जनता हमलोगों को साथ देखना चाहती है। राज्य के विकास के लिए और जनता के हित में हमने गठबंधन करने का फैसला किया है। सुदेश महतो ने कहा कि वर्तमान सरकार के कुशासन से झारखंड का हर वर्ग प्रभावित है। हम यहां दलीय समीकरण के रूप में जरूर यहां बैठे हैं। दूसरी ओर गांव-देहात में धरातल पर जनता का समीकरण भी तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के मुखिया ने जो कारनामे किए हैं, उसकी चर्चा देश-दुनिया में हो रही है।

दो चरणों में झारखंड में होगा मतदान

उल्लेखनीय है कि झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में 13 नवंबर और 20 नवंबर को मतदान होगा। वहीं 23 नवंबर को नतीजों का एलान किया जाएगा। पहले चरण में राज्य की 43 विधानसभा सीटों पर और दूसरे चरण में 38 सीटों पर मतदान होगा। झारखंड में एनडीए का मुकाबला झामुमो के नेतृत्व वाली INDIA गठबंधन से होगा, जिसमें झामुमो, कांग्रेस, राजद शामिल हैं।

गहलोत-पायलट को मिली महाराष्ट्र की जिम्मेदारी

कांग्रेस हाईकमान ने उपचुनाव में दोनों नेताओं को रखा प्रदेश से दूर

» राजस्थान की सात विस सीटों पर फिर से उप चुनाव

» यह उपचुनाव भाजपा कांग्रेस के अलावा क्षेत्रीय दलों की भी परीक्षा की घड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजस्थान। हरियाणा में करारी हार और जम्मू कश्मीर में निराशाजनक प्रदर्शन से सबक लेते हुए कांग्रेस ने महाराष्ट्र में बड़े नेताओं की फौज उतार दी है। राजस्थान में 7 विधानसभा सीटों के उपचुनाव के बावजूद कांग्रेस आलाकमान ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी है।

गहलोत बतौर सीनियर ऑब्जर्वर मुंबई और कोंकण संभाग देखेंगे। जबकि पायलट मराठवाड़ा संभाग के सीनियर ऑब्जर्वर बनाए गए है। इन दोनों नेताओं की नियुक्ति के बाद से ही राजस्थान कांग्रेस में हलचल तेज हो चली है। पार्टी के भीतर चर्चा जोरों पर है कि आखिर कांग्रेस हाईकमान ने उपचुनाव के बीच दोनों नेताओं को प्रदेश से दूर क्यों कर दिया? क्या इन्हें महाराष्ट्र की जिम्मेदारी के बहाने राज्य की सियासत से दूर रखने की कोशिश की जा रही है? दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के साथ ही राजस्थान की सात विधानसभा सीटों पर फिर से उप चुनाव होने जा रहे हैं। राज्य की झुंझुनूं, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, चौरासी, सलूम्बर और रामगढ़ विधानसभा सीट पर 13 नवंबर को चुनाव होंगे। 23 नवंबर को इन सीटों के नतीजे आएंगे। इन सीटों पर विधानसभा चुनाव के एक साल के अंतराल में ही उप चुनाव होने जा रहे है। कांग्रेस, भाजपा, आरएलपी, बीएपी सहित अन्य दल उपचुनावों में जीत के लिए रणनीति बनाने में जुटे हुए है। चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में आए तो भजनलाल सरकार के कामकाज पर मुहर लगेगी। यदि कांग्रेस के पक्ष में आए तो पार्टी नेता इसे सत्ता विरोधी लहर बताएंगे। ऐसे में यह उपचुनाव भाजपा-कांग्रेस के अलावा क्षेत्रीय दलों के लिए भी परीक्षा की घड़ी है। उपचुनाव के परीक्षा के बीच ही कांग्रेस हाईकमान ने बड़ा फैसला करते हुए पूर्व सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को राजस्थान के बाहर चुनावी ड्यूटी में लगा दिया है। दोनों नेताओं को महाराष्ट्र चुनाव में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजस्थान कांग्रेस के भीतर इन नेताओं को सौंपी गई जिम्मेदारी को लेकर चर्चा हो रही है। हरियाणा चुनाव के सीनियर ऑब्जर्वर रहे अशोक गहलोत को मुंबई-कोकण और ठाणे जैसे जगहों की जिम्मेदारी दी गई है, जो शिंदे शिवसेना का गढ़ माना जाता है। गहलोत के लिए चुनौती यह है कि यहां उन्हें शिवसेना (यूबीटी) के साथ तालमेल बैठाना होगा। क्योंकि शिवसेना और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर लंबे वक्त से खींचतान चल रही है।

राजस्थान उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को वोटिंग

राजस्थान की सात विधानसभा सीटों पर फिर से विधायक के चुनाव होने जा रहे हैं। प्रदेश की झुंझुनूं, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, चौरासी, सलूम्बर और रामगढ़ विधानसभा सीट पर 13 नवंबर को चुनाव होंगे और 23 नवंबर को नतीजे आएंगे।

हमारे बड़े नेता सभी सीटों पर करेंगे प्रचार

कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि उपचुनाव के लिए कांग्रेस के सभी नेता और कार्यकर्ता पूरी तरह तैयार है। हमारे बड़े नेता सभी जगह प्रचार करेंगे। उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार को पर्ची सरकार बताते हुए कहा कि उसका पिछले नौ-दस महीनों का जो कार्यकाल गया है उससे लोग पूरी तरह निराश एवं परेशान हैं। आज राजस्थान के लोग खुलकर कह रहे है कि बनाई थी सरकार बन गया सर्कस। आए दिन हर आर्डर यू टर्न ले रहा है। आपस में झगड़े, मंत्रियों का पता नहीं है, सरकार चल रही है या नहीं, कोई पता नहीं है, ब्यूरोक्रेट सरकार चला रहे है। उसमें भी दो-तीन ग्रुप बने हुए हैं और जनता की कोई परवाह नहीं है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बेचारे नेताओं को तो हमेशा गालियां ही पड़ती रहती हैं!

जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते हैं, नेताओं द्वारा नेताओं के बयान की झड़ी लग जाती है। वोटरों को साधने के लिए राजनेता किसी भी हद तक चले जाते हैं, जनता को गुमराह करने के लिए न केवल हिंदू-मुस्लिम करते हैं बल्कि वादों की बौछार कर देते हैं। लेकिन असल मायने में देखा जाये तो ये महज चुनावी वादे होते हैं, असलियत में इनका वास्तविकता से कोई लेना देना नहीं होता है। ऐसा नहीं है कि नेताओं के चुनावी वादों को सिर्फ कागजों में उतारा जाता है बल्कि जनता के बीच भी इसे इस कदर परोसा जाता है मानों जनता इन लभावने विज्ञापनों से पिघल जाएगी और अपना कीमती मत नेता की झोली में डाल देगी। लेकिन ऐसा होता नहीं है। वैसे तो चुनाव से पहले और चुनाव के बाद अन्य भी बहुत-सी चीजें, बहुत-सी बातें होती हैं। पर यहां बात चुनाव से पहले पड़ने वाली गालियों और चुनाव के बाद पड़ने वाली गालियों की ही की जाए तो वो शायद ज्यादा बेहतर है क्योंकि बाकी बातों का आज के टाइम पर कोई मतलब नहीं होता।

आजकल तो चुनाव से पहले किए जाने वाले वादों, जिन्हें आजकल गारंटियां कहने का मानों रिवाज सा चल पड़ा है, क्या कोई मतलब होता है? यह बात नेता भी जानते हैं और मतदाता भी जानते हैं कि इनका कोई मतलब नहीं होता। इसलिए राजनीति में पड़ने वाली गालियों की ही बात की जाए तो अच्छा है। यूं राजनीति ऐसा पेशा है, जहां बेचारे नेताओं को गालियां तो हमेशा ही पड़ती रहती हैं। इस मामले में उनका मुकाबला खासतौर से पब्लिक डीलिंग वाले चंद सरकारी महकमों के कर्मचारी ही कर सकते हैं। खैर जी, राजनीति में दो तरह की गालियां विशेष रूप से उल्लेखनीय होती हैं- एक वे जो चुनाव से पहले पड़ती हैं और दूसरी वे जो चुनाव के बाद पड़ती हैं। चुनाव से पहले एक तो उन नेताओं को गालियां पड़ती हैं, जो पांच साल बाद दर्शन देने पहुंचते हैं और एक उनको जिन्होंने अलग-अलग ढंग से जनता को गालियां दी होती हैं। इनके अलावा बड़े नेता अपने को पड़ने वाली गालियां गिनाते हैं, ताकि चुनाव जीत सकें। कोई बाकायदा संख्या बताने लगता है, तो कोई उन्हें असंख्य बताने लगता है। इनमें वे गालियां भी शामिल होती हैं, तो वास्तव में गालियां नहीं होती, बल्कि आरोप होते हैं, लेकिन उन्हें गालियां मान लिया जाता है। फिर इनमें वे गालियां भी होती हैं, जो वास्तव में दी ही नहीं गयी। ज्ञानीजन इसे विक्टिम कार्ड खेलना कहते हैं। फिर वे गालियां होती हैं, जो चुनाव के बाद पड़ती हैं। यह मुख्यत: हारने वालों को पड़ती हैं जैसे आजकल हरियाणा के कांग्रेस नेता ऐसी ही गालियों से दो-चार हैं।

“ राजनीति में दो तरह की गालियां विशेष रूप से उल्लेखनीय होती हैं- एक वे जो चुनाव से पहले पड़ती हैं और दूसरी वे जो चुनाव के बाद पड़ती हैं। चुनाव से पहले एक तो उन नेताओं को गालियां पड़ती हैं, जो पांच साल बाद दर्शन देने पहुंचते हैं और एक उनको जिन्होंने अलग-अलग ढंग से जनता को गालियां दी होती हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकतंत्र की कसौटी पर 'एक राष्ट्र, एक चुनाव'

शशि थरूर

भारतीय लोकतंत्र की गरिमा बचाने वाला एक अनुग्रह है- हालांकि कुछ लोगों के लिए यह भारत की सबसे अधिक परेशान करने वाली खामियों में एक होगा - कि व्यावहारिक रूप से यहां सदा कोई न कोई चुनाव चलता रहता है। इसलिए, पिछले आम चुनाव की गूंज जैसे ही खत्म हुई - जिसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पद पर तो बनाए रखा, लेकिन बहुमत के बिना और गठबंधन सरकार के नेतृत्व के साथ- जल्द ही हरियाणा राज्य और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। जिसके पिछले सप्ताह घोषित परिणामों ने राजनेताओं और चुनाव विशेषज्ञों, दोनों को चौंका दिया। हरियाणा में मोदी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अप्रत्याशित जीत हासिल की, जहां पर उसकी हार की उम्मीद बताई जा रही थी। वहीं जम्मू-कश्मीर में विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने अपने क्षेत्रीय सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर जीत पाई, जबकि वहां पर चुनावों में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की गई थी।

जून के लोकसभा चुनाव में भी चुनाव पंडितों के कयास गलत निकले थे - उन्होंने भाजपा की तगड़ी जीत का अनुमान लगाया था - निश्चित रूप से भारत के मतदाता का अंदाजा पहले से नहीं लगाया जा सकता। अपेक्षाओं को धता बताने के और अधिक मौके भारतीय मतदाताओं को शीघ्र ही मिलने जा रहे हैं। साल खत्म होने से पहले और दो राज्यों -महाराष्ट्र और झारखंड - में चुनाव होने जा रहे हैं। उनके बाद नंबर दिल्ली का होगा, जिसके संकटग्रस्त मुख्यमंत्री ने हाल ही में इस्तीफा देकर समय से पहले चुनाव कराने की मांग की है (जो वैसे भी अगले मार्च तक होने हैं)। दूसरे शब्दों में, चुनाव एक साथ होने के बजाय - भारत के 28 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों में से हर कोई अपनी सरकारें चुनता है - भारत का यह चुनावी पंचांग अब बदलने की बात हो रही है। मोदी सरकार के लिए, यह सारी चुनाव से संबंधित अनिश्चितता बहुत दूर निकल चुकी है।

वह चाहते हैं कि भारत एक निश्चित चुनावी कार्यक्रम स्थापित करे, जिसके अंतर्गत लोकसभा (संसद का निचला सदन), राज्यों की विधानसभाओं और स्थानीय निकायों, सभी के लिए हर पांच साल में एक ही तारीख को मतदान हो। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च-स्तरीय समिति ने हाल ही में इस दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए एक बृहद रिपोर्ट तैयार

की, जिसे पीएम मोदी ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का नाम दिया है। चुनावों की बारम्बारता वास्तव में किसी राष्ट्रीय सरकार के लिए एक चुनौती है। मसलन, जहां राज्य व स्थानीय चुनावों में अधिकांशत: स्थानीय मुद्दे प्रभावी होते हैं और अक्सर इन्हें राष्ट्रीय सरकार पर एक प्रकार के जनमत संग्रह के रूप में देखा जाता है। दूसरी ओर, स्वतंत्र चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता के कारण चुनाव के दौरान शासन व्यवस्था ठप हो जाती है, ताकि कार्यकारी सरकार ऐसी नीतिगत घोषणाएं न करने पाए, जिससे कि मतदाता उनके पक्ष में मतदान करने के लिए प्रभावित हो। इसके अलावा, राष्ट्रीय नेता चुनाव वाले राज्यों में प्रचार करने में व्यस्त हो जाते हैं, जिनमें से प्रत्येक का अपना राजनीतिक इतिहास होता है और अक्सर, उनकी अपनी पार्टियां भी। पीएम मोदी और उनके गृह मंत्री अमित शाह अपने दस वर्षीय कार्यकाल के दौरान अंतहीन चुनावी अभियान में व्यस्त रहे, जिससे कि उनके अपने आधिकारिक कर्तव्यों के लिए बहुत कम समय बचा। प्रधानमंत्री मोदी की दलील है कि बार-बार चुनाव कराने से पैसा और समय दोनों बर्बाद होते हैं। हो सकता है उन्हें यह विचार भी आया होगा कि एक साथ चुनाव करवाने पर राष्ट्रीय पार्टियों और मुद्दों का फायदा राज्य चुनावों में मिल सकता है, ताकि राष्ट्र व्यापी चुनाव प्रचार में स्थानीय नेताओं और समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की संभावना कम ही रहे। विपक्ष इस प्रस्तावित सुधार को खारिज करता है, यह इंगित करते हुए कि सभी चुनाव एक साथ करवाने पर खर्च में जो भी मामूली बचत हो पाएगी, उसके बरक्स, चुनाव अभियानों में जिस प्रकार बड़े पैमाने पर पैसा लगाए जाने से आर्थिकी को प्रोत्साहन मिलता है, उससे वंचित होने का नुकसान होगा।

इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि यह प्रस्ताव भारत के संघीय स्वरूप और विविधता को कुचलने का मंसूबा दर्शाता है, जोकि मोदी के एकात्मकवाद के प्रति लगाव को कार्यकुशलता के रूप में पेश करता है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के साथ सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह अव्यावहारिक है, जिसको हम अपने अनुभवों से जानते हैं। स्वतंत्रता उपरांत, भारत ने एक ही तारीख पर चुनाव करवाने वाली व्यवस्था कायम की थी। लेकिन यह व्यवस्था 1952 से 1967 तक, केवल पंद्रह वर्षों तक चल पाई। इसकी वजह भारत की संसदीय प्रणाली के मूल में निहित है- सरकारों के लिए विधायी बहुमत बनाए रखना जरूरी है। बहरहाल, हमें आगामी महीनों में होने वाले दो या तीन राज्यों में विधानसभा चुनावों का स्वागत करना चाहिए। शायद, भारतीय मतदाता अपने 'राजनीतिक आकाओं' को फिर से कुछ और चौंकाएंगे।

राजनीतिक असंवेदनशीलता से बढ़ता स्वास्थ्य जोखिम

ज्ञानेन्द्र रावत

दिल्ली में कूड़े के पहाड़ गंभीर समस्या बन चुके हैं, और इस पर प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी चिंता जताई है। प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए गठित विशेष कार्यबल की बैठक में कचरे के निपटान में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर कचरा निपटान के लिए मौजूदा कानूनों के सख्त अनुपालन और कचरे से बिजली बनाने की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके साथ ही, सड़कों और निर्माण गतिविधियों में धूल नियंत्रण के उपायों को भी प्राथमिकता देने की बात की गई। वास्तव में स्वच्छ भारत मिशन का मुख्य उद्देश्य दिल्ली में वर्षों से जमा कूड़े के ढेरों को समाप्त करना था, जो अब पहाड़ की शक्ल ले चुके हैं। यह मिशन 2 अक्टूबर, 2014 को शुरू हुआ, और एक महत्वपूर्ण पड़ाव 1 अक्टूबर 2021 को आया जब एसबीएम-2.0 की शुरुआत हुई। इस योजना के तहत कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया, और यह सुनिश्चित किया गया कि भविष्य में ऐसी समस्याएं न उभरें।

केंद्र सरकार ने कूड़े के ढेरों को समाप्त करने के लिए 3000 करोड़ रुपये से अधिक की योजना शुरू की थी, जिसमें राज्यों से सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की गई थी। हालांकि, राजनीतिक दांवपेच के चलते इन कूड़े के पहाड़ों का निवारण अब तक नहीं हो सका है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में केवल 15 फीसदी कूड़े के पहाड़ कम हो पाए हैं, जिसकी आवास और शहरी विकास मंत्रालय द्वारा भी पुष्टि की गई है। यह स्थिति समस्या के समाधान में अनिच्छा और समन्वय की कमी को दर्शाती है। देश में 2,421 कूड़ाघर हैं, जहां 1,000 टन से अधिक ठोस कचरा जमा है। आवास और शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार, कूड़े के पहाड़ों में लगभग 15,000 एकड़ जमीन पर 16 करोड़ टन से ज्यादा कचरा फंसा है, जिसका निस्तारण एक बड़ी चुनौती है।

प्रयासों के बावजूद, केवल 470 स्थानों को पूरी तरह साफ किया जा सका है, जबकि 730 साइटें अभी तक निस्तारण की प्रक्रिया से बाहर हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि नगर निकायों के पास कचरे के निस्तारण की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है। कुछ राज्यों की बात करें तो इस मामले में गुजरात शीर्ष पर है, जहां 202 लाख टन ठोस कचरे में से केवल 10.73 लाख टन कचरे का ही वहां निस्तारण होना बाकी है। जबकि देश की राजधानी दिल्ली में 203 लाख टन ठोस कचरे में से 126.02 लाख टन कचरे का निस्तारण अभी बाकी है। महाराष्ट्र में 388 लाख टन में से 242 लाख टन, पंजाब में 73.62 लाख टन में से 37.73 लाख टन, मध्य प्रदेश में 63.23 लाख टन में से 47.68 लाख टन, जम्मू-कश्मीर में 22.10 लाख टन में से 21.08 लाख टन, उत्तराखंड में 14.12 लाख टन में से 7.36 लाख टन और छत्तीसगढ़ में 6.54 लाख टन में से 0.52 लाख टन कचरे का निस्तारण अभी बाकी है। आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार 1,250 डंप साइटों में कूड़ा निस्तारण का काम पिछले दिनों शुरू कर दिया गया है। राजधानी दिल्ली में लाख कोशिशों के बावजूद कूड़े के पहाड़ खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं।

यहां चार बार तो समय सीमा भी बदली जा चुकी है। सरकार, नगर निगम के बीच दांवपेच के चलते अभी तय की गयी दिसम्बर, 2028 की समय सीमा में फिर बदलाव हो सकता है। दिल्ली में गाजीपुर, ओखला और भलस्वा ये तीन मुख्य लैंडफिल साइटें हैं। यहां ओखला और भलस्वा में कचरा निस्तारण का काम बंद पड़ा है। गाजीपुर लैंडफिल साइट पर निस्तारण प्रक्रिया की धीमी गति के कारण, वहां 30 लाख मीट्रिक टन कूड़े का निस्तारण होना चाहिए था, लेकिन अब तक केवल 12 लाख मीट्रिक टन कचरे का ही निस्तारण हो सका है। वहीं, नगर निगम की स्थायी समिति के गठन में विलंब के कारण नरेला-बवाना में 3000 टन प्रतिदिन और गाजीपुर में 2000 टन प्रतिदिन कचरे से बिजली बनाने वाले नए प्लांट की योजना स्वीकृति न मिलने के चलते अधर में लटकी हुई है। तेहखंड लैंडफिल पर भी लगे कूड़े से बिजली बनाने के प्लांट की कूड़ा निस्तारण क्षमता में 1000 टन रोजाना बढ़ोतरी की योजना भी अधर में लटक गयी है।

मौजूदा हालात पर नजर डालें, तो गाजीपुर, ओखला और भलस्वा लैंडफिल साइटों में कुल 159.87 लाख टन कचरा मौजूद है। यदि निस्तारण की गति इसी रफ्तार से बनी रही, तो उम्मीद है कि 2028 तक इन कूड़े के पहाड़ों को खत्म किया जा सकेगा। यह बात दीगर है कि कूड़े के पहाड़ पहले से कुछ कम जरूर हुए हैं। लेकिन इनके आसपास रहने-बसने वाले लोग, प्रदूषित व जहरीला पानी पीने से संक्रामक रोग, बुखार, किडनी में पथरी सहित पेट के रोगों और जहरीली बदबूदार हवा में सांस लेने के चलते फेफड़े, आंत्रशोथ, हृदय रोग के शिकार होकर मौत के मुंह में जाने को विवश होंगे। वास्तव में जानलेवा बीमारियों की चपेट में आकर अनचाहे मौत के मुंह में चले जाना इन लोगों की नियति बन गयी है। जब तक इन कूड़े के पहाड़ों की समस्या हल नहीं हो जाती तब तक आसपास बसी बस्तियों के लोगों को इन जानलेवा बीमारियों से निजात मिलना मुश्किल है।

हलासन

शरीर के तनाव को दूर करने में हलासन का अभ्यास फायदेमंद है। इस आसन के अभ्यास से त्वचा पर प्राकृतिक चमक आती है। पाचन तंत्र में सुधार होता है जो कि स्वस्थ त्वचा के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। हलासन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेटकर पैरों को ऊपर ऊठाएं। फिर धीरे-धीरे पैरों को सिर के पीछे ले जाते हुए जमीन पर टिकाने की कोशिश करें। इस मुद्रा में 30-40 सेकेंड तक रहें और फिर धीरे धीरे अपनी सामान्य स्थिति में वापस आ जाएं।

भुजंगासन

अधिकतर स्वास्थ्य समस्याओं और शरीर को बेहतर बनाने के लिए भुजंगासन का अभ्यास लगभग हर किसी को करना चाहिए। भुजंगासन का अभ्यास शरीर में रक्त प्रवाह को बढ़ाता है और त्वचा को ऑक्सीजन प्रदान करता है। भुजंगासन त्वचा की कोशिकाओं की मरम्मत करने और उसे प्राकृतिक चमक देने में सहायक है। जिससे त्वचा की खुबसुरती बढ़ जाती है। इस आसन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेटकर अपने हाथों को कंधों के नीचे रखें। फिर धीरे- धीरे सिर और छाती को ऊपर उठाएं। इस मुद्रा में कम से कम 20-30 सेकेंड स्थिर रहें और फिर सामान्य अवस्था में लौट आएं। जिससे आपकेशरीर को कई फायदे होने के साथ त्वचा को भी लाभ मिलेगा।

सुंदर त्वचा के लिए करें ये पांच योगासन

बच्चों की त्वचा मुलायम और सुंदर होती है। हालांकि जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे त्वचा की निखार कम होने लगता है। वहीं बुढ़ापे में त्वचा लटक जाती है, झुर्रियां आ जाती हैं और चेहरे की रंगत व निखार कम होने लगता है। आज की बिगड़ी जीवनशैली और खानपान में लापरवाही के कारण अब तो 25 की उम्र के बाद ही चेहरे की रौनक कम होने लगती है। ऐसे में लड़के और लड़कियां ग्लोइंग स्किन पाने के लिए कई तरह के महंगे महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। पार्लर में फेशियल और मसाज में हजारों रुपये व्यय करते हैं। इन तरीकों से चेहरे पर निखार तो आ जाता है, लेकिन यह खर्चीला होने के साथ ही अस्थाई होता है। यानी आपको चेहरे के निखार के लिए लगातार महंगे सौंदर्य उत्पाद और पार्लर पर व्यय करते रहना पड़ता है। हालांकि चेहरे की सुंदरता और निखार के लिए योग एक प्रभावी व स्थायी तरीका है। योगासन केवल त्वचा को स्वस्थ ही नहीं बनाता, बल्कि चेहरे की रंगत निखार के साथ ही फेस शेप का भी प्रभावी जरिया बन सकता है। हालांकि इसके साथ ही आपको पौष्टिक खानपान और शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए पर्याप्त पानी का सेवन करना चाहिए।

मत्स्यासन

मत्स्यासन चेहरे की त्वचा में कसाव लाने और झुर्रियों को कम करने में मदद करता है। यह आसन थायरॉइड ग्रंथि को उत्तेजित करता है, जो शरीर में हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है। इस आसन के अभ्यास के लिए पीठ के बल लेटकर हाथों को जांघों के नीचे रखें। सिर और छाती को ऊपर उठाते हुए सिर को पीछे की ओर मोड़ें और कुछ सेकेंड के लिए इस स्थिति में रहें।

सर्वांगासन

सर्वांगासन को क्वीन आफ योग भी कहा जाता है। इस आसन के अभ्यास से रक्त संचार को बढ़ावा मिलता है और चेहरे पर निखार आता है। इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेटकर पैरों को सीधा ऊपर ऊठाएं। शरीर को कंधों पर संतुलित करते हुए हाथों से कमर को सहारा दें। कुछ देर तक इस मुद्रा में रहें और फिर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में आ जाएं।

उज्जायी प्राणायाम

उज्जयी प्राणायाम के अभ्यास से चेहरे पर झुर्रियां कम होती हैं और चेहरे की अतिरिक्त चर्बी कम होने के साथ ही त्वचा को टोन करता है। उज्जायी प्राणायाम चेहरे पर तनाव और चिंता को दूर करके त्वचा को ताजगी प्रदान करता है। इस प्राणायाम के अभ्यास के लिए गहरी सांस लें और धीरे धीरे छोड़ें। सांस छोड़ते समय गले से हल्की ध्वनि उत्पन्न करें। इस प्रक्रिया को 5-10 मिनट तक दोहराएं।

हंसना मना है

मेवालाल ने चार लोगों को कार से दबा दिया, जज मेवालाल से-तुमने तो शराब पी नहीं थी तो फिर ऐसा क्यों किया? मेवालाल-जज साहब मेरे एयरटेल वालों ने कहा था कि इस गाने के लिए चार दबायें।

एक महिला मॉल से बिस्कुट चुराते हुए पकड़ी गई। जज ने कहा : तुमने जो बिस्कुट का पैकेट चुराया, उस में 10 बिस्कुट थे। इसलिए तुम्हे 10 दिन की जेल की सजा दी जाती है। तभी पति पीछे से चिल्लाया: जज साहब, इसने साबूदाने का पैकेट भी चुराया है।

मरीज को डॉक्टर आखिरकार समझा पाया कि ये ऑपरेशन कितना जरूरी है लेकिन .. जैसे ही उसने 8 लाख का खर्चा बताया मरीज ने फिर मना कर दिया। डॉक्टर बोला — तुम पहले 2 लाख जमा कर दो , बाकी 22 हजार हर महीने किस्तों में दे देना। मरीज बोला— ये तो ऐसे हो गया, जैसे मैं कोई कार ले रहा हूं। डॉक्टर बोला—कह तो सही रहे हो.. लेकिन कार तुम नहीं मैं ले रहा हूं।

1 मुर्गी ने बत्तख से शादी कर ली, मुर्गा: हम मर गये थे क्या? मुर्गी: मैं तो तुमसे ही शादी करना चाहती थी पर मॉम-डैड चाहते थे लड़का नेवी में हो।

कहानी | जब पंडित जी नदी में बह गए..

आज गंगा पार होने के लिए कई लोग एक नौका में बैठे, धीरे-धीरे नौका सवारियों के साथ सामने वाले किनारे की ओर बढ़ रही थी, एक पंडित जी भी उसमें सवार थे। पंडित जी ने नाविक से पूछा क्या तुमने भूगोल पढ़ी है? भोला-भाला नाविक बोला भूगोल क्या है इसका मुझे कुछ पता नहीं। पंडितजी ने पंडिताई का प्रदर्शन करते कहा, तुम्हारी पाव भर जिंदगी पानी में गई। फिर पंडित जी ने पूछा, क्या इतिहास जानते हो? महारानी लक्ष्मीबाई कब और कहां हुई तथा उन्होंने कैसे लड़ाई की? नाविक ने कहा नहीं, तो पंडित जी ने विजयीमुद्रा में कहा ये भी नहीं जानते तुम्हारी तो आधी जिंदगी पानी में गई। फिर पंडित जी ने पूछा महाभारत का भीष्म या रामायण का केवट और भगवान श्रीराम का संवाद जानते हो? नाविक ने इशारे में ना कहा, तब पंडित जी बोले तुम्हारी तो पौनी जिंदगी पानी में गई। तभी अचानक गंगा में प्रवाह तीव्र होने लगा। नाविक ने सभी को तूफान की चेतावनी दी, और पंडितजी से पूछा नौका तो तूफान में डूब सकती है, क्या आपको तैरना आता है? पंडित जी गभराहट में बोले मुझे तो तैरना-वैरना नहीं आता है? नाविक ने स्थिति भांपते हुए कहा- तब तो समझो आपकी पूरी जिंदगी पानी में गयी। कुछ ही देर में नौका पलट गई। और पंडित जी बह गए।

शिक्षा- विद्या वाद-विवाद और दूसरों को नीचा दिखाने के लिए नहीं है। लेकिन अभिमान में कुछ लोग इस बात को भूल जाते हैं और दूसरों का अपमान कर बैठते हैं। याद रखिये शास्त्रों का ज्ञान समस्याओं के समाधान में प्रयोग होना चाहिए शस्त्र बना कर हिंसा करने के लिए नहीं। कहा भी गया है, जो पेड़ फलों से लदा होता है उसकी डालियां झुक जाती हैं। धन प्राप्ति होने पर सज्जनों में शालीनता आ जाती है। इसी तरह , विद्या जब विनयी के पास आती है तो वह शोभित हो जाती है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है।

वृषभ कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

मिथुन सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी।

कर्क धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

सिंह कुसगति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। लेन-देन में सावधानी रखें।

कन्या शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे।

तुला शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है।

वृश्चिक किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा।

धनु राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है।

मकर प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें।

कुम्भ चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। कुबुद्धि से दूरी बनाए रखें। चोट व रोग से बचें। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं बहुत कंफर्टेबल हूं, कभी किसी से डरता नहीं हूं : सलीम खान

बाबा सिद्दीकी की दिन-दहाड़े हत्या किए जाने के बाद सलमान खान की सिक्योरिटी टाइट कर दी गई है। बाबा सिद्दीकी के मर्डर के तार सलमान खान और लॉरेंस बिश्नोई की दुश्मनी से जोड़कर देखा जा रहा है। इस बीच सलमान खान के पिता और स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान ने इन दावों को खारिज किया है। सलीम खान ने लॉरेंस बिश्नोई की तरफ से मिल रही धमकियों पर भी रिएक्ट किया है। इस दौरान सलीम खान की आंखों में आंसू नजर आए। उन्होंने कहा- आज सभी बातें निपटा दीजिए, बाद में मौका मिले ना मिले। लोगों ने इधर-उधर कह रखा है कि छोड़ेंगे नहीं, छोड़ेंगे नहीं। कोई तो सक्सेसफुल होगा। मैं किसी से डरता नहीं हूं, मैं बहुत कंफर्टेबल हूं। कोई प्रॉब्लम नहीं है। इस सवाल पर कि क्या किसी तरह की टेंशन है, सलीम खान ने कहा-एक जो आजादी थी वो नहीं है, यहां नहीं जाना, वहां नहीं जाना। ये नहीं करना, वो नहीं करना। पुलिस वाले जो कह रहे हैं वो आपको सुनना पड़ेगा। उसमें ये तो नहीं करना है कि नहीं हम तो निकलेंगे। मैं बिल्कुल ठीक हूं। एक जमाने से हम जहां बैठते थे, पुलिस वाले कह रहे हैं वहीं नहीं बैठे, कोई कंपाउड के बाहर से फायरिंग कर सकता है। यहां बैठते तो कहते हैं यहां गोलियां चली हैं, तो यहां नहीं बैठे। तो ठीक है। सलमान खान के पिता सलीम खान ने इस दौरान ये भी साफ किया बाबा सिद्दीकी की हत्या का सलमान खान से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा- मुझे नहीं लगता कि उसका इससे कोई ताल्लुक है। बाबा सिद्दीकी का इससे क्या ताल्लुक हो सकता है।

स्त्री-3 को लेकर चरम पर है श्रद्धा कपूर का उत्साह

श्रद्धा कपूर की हाल ही में 'स्त्री 2' रिलीज हुई थी जो ब्लॉकबस्टर रही है। इस फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक ने किया था और इसने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े। वहीं एक इवेंट के दौरान श्रद्धा ने अपनी लेटेस्ट रिलीज फिल्म की सक्सेस पर बात की साथ ही बताया कि पिछले कुछ सालों में फिल्में चुनने का उनका पैटर्न कैसे बदल गया है।

दरअसल श्रद्धा कपूर बीते दिन मुंबई में स्क्रीन लॉन्च इवेंट में पहुंचीं थीं। इस दौरान श्रद्धा ने कहा, मुझे लगता है, बहुत ईमानदारी से कहूं तो, मेरा मानना है कि मेरा बेस्ट आना अभी बाकी है। मैं निश्चित रूप से महसूस करना चाहती हूं, जब मैं किसी फिल्म में जा रही हूं, तो एक एक्टर के रूप में मेरे लिए कुछ एक्साइटिंग होने वाला है। इसमें कुछ दिलचस्प होने वाला है, एक ऐसी कहानी जिसमें एक संदेश मैसेज तक पहुंचाया जाएगा।

श्रद्धा कपूर ने आगे कहा, एक समय था जब मैं एक के बाद एक फिल्में कर रही थी अब ये स्थिति बदल गई है। ये तीन साल में एक फिल्म की तरह है। तू झूठी मैं मक्कार और बागी 3 के साथ ऐसा हुआ और यह ठीक है। मुझे अब इसमें अपना आराम मिल गया है। मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं जहां मैं एक एक्टर के रूप में कंप्लीट महसूस करूं और जहां मैं एक एक्टर के रूप में खुद को आगे बढ़ा सकूं। मैं निश्चित रूप से जो मैंने पहले किया है उससे कुछ अलग करना चाहती हूं।

हालांकि, उन्होंने कहा, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मेरे पास फिल्मों की लाइनअप है, मेरी अगली फिल्म की घोषणा भी नहीं हुई है और यह ठीक है क्योंकि किसी को भी फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत कुछ करना पड़ता है। इसमें महीनों, बहुत सारा काम और बहुत सारी तैयारी लगती है, तो, जब तक मैं इसे अपने दिल की गहराइयों से महसूस नहीं करती, हां।

वहीं श्रद्धा कपूर ने कंफर्म कर दिया है कि स्त्री 3 पर काम शुरू हो गया है। श्रद्धा ने बताया कि अमर कौशिक के पास पहले से ही 'स्त्री 3' के लिए एक स्टोरी है। श्रद्धा ने कहा, जब अमर सर ने मुझे बताया कि उनके पास स्त्री 3 के लिए एक कहानी है, तो मैं बहुत एक्साइटेड हो गई क्योंकि मुझे पता है कि यह कुछ अमेजिंग होने वाली है। मैं यह सुनने के लिए इंतजार नहीं कर सकती कि यह किस बारे में है।

बॉक्स ऑफिस पर आलिया भट्ट की 'जिगरा' का संघर्ष जारी

आलिया भट्ट की फिल्म 'जिगरा' को सिनेमाघरों में दस्तक दिए एक सप्ताह पूरे हो गए हैं। फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन चल रहा है। हालांकि, फिल्म सिनेमाघरों में बहुत धीमी रफ्तार से चल रही है। फिल्म का निर्देशन वासन बाला ने किया है और आलिया के साथ वेदांग रैना इसमें प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। आलिया भट्ट की 'जिगरा' पर निर्माता और अभिनेत्री दिव्या खोसला कुमार ने कहानी चोरी का भी आरोप लगाया है। हालांकि, इन विवादों के बीच इसका प्रदर्शन भी खराब चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ओपनिंग डे पर ही इस फिल्म के कई शहरों में शो रद्द कर दिए गए थे, जिसके पीछे की वजह दर्शकों का ना मिलना बताया गया। दशहरा पर रिलीज हुई 'जिगरा' को त्योहार और सप्ताहांत का कोई खास लाभ नहीं मिला। ओपनिंग डे पर इसने महज चार करोड़ 55 लाख का कलेक्शन किया। हालांकि, दूसरे दिन इसकी कमाई में थोड़ा सुधार आया और इसने छह करोड़ 55 लाख रुपये का कारोबार किया। वहीं, फिल्म ने तीसरे दिन 5.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। चौथे दिन 'जिगरा' की कमाई में 70 प्रतिशत तक की गिरावट आ गई। इस दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस से एक करोड़ 65 लाख की कमाई की। पांचवें दिन के कलेक्शन की बात की जाए तो इसने 1.6 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। छठे दिन फिल्म ने एक करोड़ 35 लाख रुपये बटोरें। फिल्म ने सातवें दिन एक करोड़ 25 लाख का कलेक्शन किया। इसी के साथ एक सप्ताह में फिल्म ने कुल 22.45 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। 'जिगरा' के आठवें दिन के कलेक्शन पर नजर डाली जाए तो अब तक इसने 66 लाख रुपये बॉक्स ऑफिस से बटोर लिए हैं। इसी के साथ फिल्म की अब तक की कुल कमाई 23.11 करोड़ रुपये पहुंच गई है।

अजब-गजब | यहां निभाई जाती है अजीबो-गरीब परंपरा

यहां मरे हुए लोगों से की जा सकती है शादी

दुनिया में ऐसे कई देश हैं जहां के अजब-गजब कानून लोगों को हैरान कर देते हैं। ऐसा ही एक देश है फ्रांस जो बीते कुछ दिनों से कई कारणों से चर्चा में बना हुआ है। फ्रांस में एक ऐसा अजब कानून है जिसके बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे आप। फ्रांस में एक ऐसा कानून है जिसके चलते लोग मृत इंसान के साथ भी शादी कर सकते हैं। यूरोप के सबसे बड़े देश फ्रांस में नागरिक संहिता के अनुच्छेद 171 के तहत किसी भी व्यक्ति को मृतक इंसान से विवाह करने की अनुमति दी जाती है। इसे नेक्रोगेमी कहते हैं। हालांकि, इसके लिए राष्ट्रपति की अनुमित लेनी होती है।

प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान और बाद में मृत इंसान से शादी करना फ्रांस में काफी आम था और उस दौरान ऐसी महिलाएं जो शादी से पहले ही गर्भवती हो गई थी और उनके पिता की मृत्यु हो गई थी, ऐसे में बच्चों को उनके पिता का नाम मिल सके, इसके लिए मृतकों से शादी होनी लगी। हालांकि, साल 1959 में एक हादसे के बाद इसे कानून बनाया गया था।

दरअसल, साल 1959 एक पुल का बांध टूटने के कारण 423 लोगों की मौत हो गई थी। इसी में एक ऐसा व्यक्ति भी था जिसकी कुछ दिनों पहले ही सगाई हुई थी। ऐसे में महिला ने सरकार ने उस मृतक से शादी करने की अपील की। उस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति चार्ल्स दी गौले थे। उन्होंने महिला को मृतक के शादी की अनुमति दे दी। इसके बाद फ्रांस की नेशनल असेंबली ने इसको लेकर कानून पारित कर दिया, जिसके तहत कुछ खास परिस्थितियों में कोई अपने मृत साथी से शादी कर सकता है। हालांकि, जो इस शादी के लिए मांग करता है उसे पहले यह साबित करना होता है कि मृतक का इरादा था कि वो उससे ही शादी करे। इसके लिए मृतक के परिजनों के, मृतक के दोस्तों के बयान तक लिए जाते हैं, ताकि यह पक्का किया जा सके हैं मृतक उससे शादी करना चाहता था।

वहीं यह शादी किसी असली शादी की तरह ही दिखती है और इसके लिए सभी इंतजाम भी वैसे ही किए जाते हैं। इस शादी के दौरान मृतक इंसान कि तस्वीर का इस्तेमाल किया जाता है। इस शादी का रजिस्ट्रेशन उस दिन का किया जाता है, जब मृतक जीवित था। यानि शादी का रजिस्ट्रेशन बैक डेट में होता है। जब यह काननू बना तो एक सवाल सबके मन में था कि ऐसा संभव है कि कोई किसी की संपत्ती के लिए उसे मार दे और उसके बाद शादी का नाटक रचाएं। ऐसे में कानून में इसको लेकर भी कई प्रवाधान किए गए है। ऐसे में मृतक से शादी करने वाले को मृतक की विरासत नहीं मिलती है। फ्रांस में ही नहीं दुनिया में ऐसे कुछ देश और हैं जहां मृतक से शादी करने की परंपरा है। फ्रांस के अलावा दक्षिण कोरिया, जापान के एक प्रांत और चीन में मृतक से शादी करने की परंपरा है।

परिवार का जानी दुश्मन बना सांप, 5 लोगों को डंसा, 2 की मौत, दशहत में फैमिली

आपने फिल्मों में और टीवी सीरियल्स में सांप के बदले की कहानियां देखी और सुनी होंगी। इनमें सांप किसी का दुश्मन बन जाता है तो उसका पीछा नहीं छोड़ता। लेकिन क्या आपने रियल लाइफ में ऐसा कुछ देखा है। राजस्थान से एक ऐसा ही चौंकाने वाली घटना सामने आई है। दरअसल, राजस्थान के करौली जिले में सांप एक परिवार का जानी दुश्मन बन गया है। यहां एक सांप ने एक सप्ताह में ही परिवार के 4 लोगों डंस लिया। इससे दो लोगों की मौत हो गई। पूरा परिवार अब उस सांप की वजह से दशहत में जीने को मजबूर है। ऐसे में सभी लोग सतकर्ता बरत रहे हैं. साथ ही सांप पकड़ने में जुटे हुए हैं। घटना करौली जिले के मांची थाना इलाके के डगरिया गांव की बताई जा रही है। यहां बीते 3 दिन पहले नगेंद्र (37) और उनके चार साल के बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। दरअसल, रात को सोते वक्त एक सांप ने उन्हें काट लिया था। जिसके बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिवार इस सदमे से बाहर नहीं निकला था कि इसी बुधवार को परिवार में मृतक के भाई और उनके बेटे को भी सांप ने डंस लिया। इसके अलावा गांव की एक अन्य महिला अंकिता को भी सांप ने काट लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 13 अक्टूबर को नगेन्द्र (32) तथा उनका पुत्र गर्वित (04) कमरे में बैड पर सो रहे थे। इस दौरान रात करीब दो बजे सांप ने पिता-पुत्र को काट लिया। परिजन चिकित्सालय लेकर पहुंचे जहां पुत्र की हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर रेफर कर दिया लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। जबकि पिता की उपचार के दौरान 14 अक्टूबर को मृत्यु हो गई। पोस्टमार्टम के बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया। इसके बाउ बुधवार को मृतक का भाई बाबू सिंह घर पर ही बैठे थे। तभी अचानक उनकी शर्ट में कहीं से सांप आकर घुस गया। वह घबरा गये और तुरंत शर्ट उतारी, लेकिन तब तक सांप ने उन्हें सीने पर डंस लिया। इसी दौरान सांप का भगाते समय बेटे दीपेंद्र को भी सांप ने काट लिया। इससे सब लोग घबरा गये, तुरंत उन्हें अस्पताल लेकर भागे। जहां डॉक्टर से इलाज शुरू किया। बताया जा रहा है कि इसी बीच गांव की ही रहने वाली एक अन्य महिला अंकिता को भी सांप ने काट लिया है। उसे भी इलाज के लिये अस्पताल लाया गया है। गांव वालों का कहना है कि सांप तकरीबन 2.5 फीट लंबा है, जो लोगों को घरों में घुसकर काट रहा है। दो पहले ही गांव में सर्पदंश की वजह से पिता-पुत्र की मौत हुई और अब तीन लोगों को काटने की घटना के बाद से सभी लोग दहशत में जीने को मजबूर हैं।

दिल्ली में प्रदूषण पर भाजपा-आप ने एक दूसरे पर फोड़ा ठीकरा

सीएम आतिशी बोलीं- भाजपा शासित राज्य इसके जिम्मेदार

» दिल्ली में प्रदूषण का स्तर 434 पहुंचा, कई इलाकों में छाई कोहरे की परत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हर साल अक्टूबर से जनवरी के बीच दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या गंभीर हो जाती है। वायु प्रदूषण का स्तर इसको मापने वाले यंत्रों की अधिकतम सीमा 999 को भी पार कर जाती है। लोगों का सांस लेना दूभर हो जाता है। अभी अक्टूबर महीने की 20 तारीख है, लेकिन आनंद विहार में वायु प्रदूषण का स्तर बहुत गंभीर की श्रेणी में आ चुकी है। 20 अक्टूबर को दोपहर तीन बजे आनंद विहार में प्रदूषण का स्तर 434 अंक तक की सीमा तक पहुंच चुका है जो गंभीर प्रदूषण का संकेत है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मारलेना ने कहा है कि राजधानी में होने वाले प्रदूषण के लिए भाजपा जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि दिल्ली ने अपने हिस्से के प्रदूषण निपटने में बहुत काम किया है, इसके काफी सकारात्मक परिणाम रहे हैं और दिल्ली के प्रदूषण उत्पादक कारकों में कमी आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित हरियाणा और उत्तर प्रदेश में प्रदूषण हो रहा है जिसके कारण दिल्ली का प्रदूषण स्तर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा सरकारें काम करें तो दिल्ली में प्रदूषण नहीं होगा।

वहीं कूरपुर और आसपास के इलाकों में कोहरे की परत छा गई है, क्योंकि एक्यूआई गिरकर 346 पर पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार बहुत खराब श्रेणी में रखा गया है। वहीं, यमुना नदी पर जहरीला झाग तैरता देखा गया, क्योंकि नदी में प्रदूषण का स्तर लगातार उच्च बना हुआ है। वहीं इंडिया गेट और आसपास के इलाकों में कोहरे की परत छा गई, क्योंकि एक्यूआई गिरकर 309 पर पहुंच गया। जिसे बहुत खराब श्रेणी में रखा गया है।

अब पंजाब का नाम क्यों नहीं लेते केजरीवाल: शहजाद पूनावाला

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल केवल आरोपों की राजनीति करना जानते है। जब तक वे दिल्ली के मुख्यमंत्री नहीं बने थे, वे इसके लिए पंजाब और हरियाणा को जिम्मेदार बताते थे। वे कहते थे कि यदि पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएं बंद हो जाएं तो दिल्ली के प्रदूषण पर लगाम लग सकती है। पूनावाला ने कहा कि लेकिन अब पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार सत्ता में है, इसलिए अब वे पंजाब का नाम नहीं ले रहे हैं। वे दिल्ली के प्रदूषण के लिए भाजपा शासित हरियाणा को जिम्मेदार बता रहे है, जबकि सेटेलाइट से लिए गए चित्रों से साफ हो रहा है कि पंजाब में लगातार पराली जलाई जा रही है। लेकिन भगवंत मान सरकार इसको रोकने के लिए कोई काम नहीं कर रही है। भाजपा नेता ने कहा कि अब केजरीवाल को समझ आ जाना चाहिए कि केवल आरोपों की राजनीति से अब काम नहीं चलने वाला। दस साल के काम के बाद भी अब तक उनके पास अपना काम गिनाने के लिए नहीं है, लेकिन अब वे दूसरों पर आरोप लगाकर नहीं बच सकते। भाजपा नेता ने कहा कि इस चुनाव में केजरीवाल की विदाई तय है क्योंकि जनता उनसे दस साल के कामकाज का हिसाब मांग रही है, लेकिन उनके पास आरोप लगाने के अलावा बताने के लिए कुछ नहीं है। बता दें बढ़ते प्रदूषण के कारण मुझे सांस लेने में कठिनाई महसूस होती है। दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन हमने अभी भी बहुत कुछ देखा है।

पराली जलाने पर 13 किसान गिरफ्तार, 32 की जमीन रेड एंट्री श्रेणी में

चंडीगढ़/कैथल। हरियाणा में पराली जलने के केस बढ़ने के बाद प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। प्रदेश में रविवार को पहली बार 13 किसानों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई कैथल जिले में हुई। जिले के गुहला-चीका व पुंडरी में छह-छह व ढांड में तीन, सीवन में दो व कैथल शहर में एक किसान पर मुकदमा दर्ज किया गया और पुंडरी थाना क्षेत्र के चार, गुहला व चीका के पांच, ढांड के तीन और कैथल के एक किसान को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रशासन ने बचे हुए किसानों की भी जल्द गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। वहीं रविवार को प्रदेशभर में 32 किसानों की जमीन रेड एंट्री श्रेणी में डाली गई। अब तक कुल 368 किसानों की जमीन रेड एंट्री में डाली जा चुकी हैं। ये किसान दो सीजन मंडियों में फसल नहीं बेच सकेंगे। इनके अलावा 14 किसानों के चालान किए गए। अब तक 317 चालान दर्ज कर किसानों से 8.15 लाख रुपये जुर्माना वसूला जा चुका है।

छात्रों का विदेश जाना बीमारी नहीं: जयराम रमेश

» उपराष्ट्रपति धनखड़ के बयान पर कांग्रेस नेता ने किया कटाक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के छात्रों के विदेश जाने के निर्णय को बीमारी बताने वाले बयान पर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि छात्रों का विदेश जाना कोई बीमारी नहीं है, बल्कि बीमार शिक्षा प्रणाली का लक्षण मात्र है। जो राजनीतिक हस्तक्षेप से और भी बदतर होती जा रही है।

बता दें कि राजस्थान के सीकर में बोलते हुए धनखड़ ने कहा था कि आज के समय में छात्रों का विदेश जाना देश के बच्चों के लिए नई बीमारी है। उन्होंने इसे विदेशी मुद्रा की बर्बादी और प्रतिभा की बर्बादी बताया था। उपराष्ट्रपति के बयान पर जयराम रमेश ने एक्स

पर कहा कि उपराष्ट्रपति ने दुख जताया है कि विदेश जाना छात्रों के लिए एक नई बीमारी बन गई है। वास्तव में यह एक पुरानी बीमारी है, जो कई दशकों से छात्रों को परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं भी 1975 में इस वायरस से संक्रमित हुआ था, लेकिन समय रहते ठीक हो गया और 1980 में भारत वापस आ गया। जयराम रमेश ने कहा कि छात्र अब कई कारणों से विदेश जाते हैं। सीयूईटी कई युवाओं को दूर भगाता है। शिक्षा की गुणवत्ता और पेशेवर अवसरों में अंतर बहुत स्पष्ट है।

गोलीकांड के शिकार परिवार से मिले नंदी

» मंत्री ने पीड़ित परिवार को दिया पांच लाख का चेक

» दस हजार रुपये प्रति माह मिलेगी मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। सूबे के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी दोपहर करीब तीन बजे दोस्तपुर थाना अंतर्गत गोसैसिंहपुर बाजार पहुंचे। जहां अपराधियों की गोली का शिकार बने अंडा व्यवसायी संतराम अग्रहरि के परिवार से मिले। मंत्री ने परिवार को शासन से मिली पांच लाख रुपये मदद का चेक सौंपी व दस हजार रुपये प्रति माह की मदद संतराम की पत्नी के जीवन यापन एवं बेटी के शिक्षा के लिए देने की बात कही।

मंत्री ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के सरकार में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं हैं, पूरा प्रदेश गवाह रहा है जिसने भी अपराध किया है तो उसके खिलाफ ऐसी

कार्यवाही की गयी हैं कि उसकी साथ पुश्ते याद रखे और ऐसा काम करने से तौबा करेगी। पुलिसिया कार्यवाही पर उन्होंने कहा कि अब तक नौ को गिरफ्तार किया गया है, जल्द ही अन्य आरोपी भी जेल में होंगे। इस बीच परिजन आरोपी भाजपा नेता अर्जुन पटेल की गिरफ्तारी और उसके घर बुलडोजर चलवाने की मांग करते नजर आये। जिस पर नंदी ने कहा कि अपराधी पर अपराधी वाली कार्यवाही ही होगी, वो किस जाति, धर्म या पार्टी से है इसका फर्क नहीं पड़ेगा। अगर उसने अपराध अपराध किया है तो जल्द ही जमींदोश किया जायेगा।

अभी तक नहीं हुई है आरोपी अर्जुन पटेल की गिरफ्तारी

वही मामले में मुख्य साजिशकर्ता आरोपी भाजपा नेता अर्जुन सिंह पटेल और उसके बड़े भाई का अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है, वो फरार बताया जा रहा है। वो एक भाजपा के बड़े नेता एवं मंत्री का करीबी बताया जाता है, सोसल मीडिया पर मंत्री के साथ उसके तमाम फोटो वायरल हैं।

न्यूजीलैंड महिला टीम पहली बार बनीं टी-20 चैंपियन

» दक्षिण अफ्रीका को टी-20 विश्वकप के फाइनल में 32 रन से दी मात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। सोफी डिवाइन की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 32 रन के अंतर से मात देकर पहली बार महिला टी20 विश्वकप का खिताब अपने नाम कर लिया है। तीसरी बार फाइनल में पहुंची कीवी टीम ने दक्षिण अफ्रीका के सामने जीत के लिए 159 रन का लक्ष्य रखा था लेकिन दक्षिण अफ्रीकी टीम 20 ओवर मे 9 विकेट पर 126 रन बना ही सकी और लगातार दूसरी बार उसका खिताबी जीत का सपना टूट गया।

दक्षिण अफ्रीका टीम ने धमाकेदार अंदाज में लक्ष्य का पीछा करने शुरु

किया था और बगैर नुकसान के 51 रन बना लिए थे लेकिन तैंजमिन ब्रिट्स और लौरा वुलवर्ट के आउट होने के बाद टीम लड़खड़ा गई और न्यूजीलैंड की टीम अपने नाम खिताब करने में सफल रही। वहीं अमेलिया केर को उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए फाइनल का प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। केर ने बल्लेबाजी में 43 (38) रन का योगदान दिया इसके बाद 24 रन देकर 3 विकेट भी अपने नाम किए। 10वें ओवर में लौरा वुलवर्ट और एनेके बॉश के विकेट लेकर खिताबी मुकाबले का पासा ही पलट दिया। इन दोहरे झटकों से दक्षिण अफ्रीकी टीम नहीं उबर पाई।

बंगलूरू टेस्ट में न्यूजीलैंड ने भारत को आठ विकेट से हराया

बंगलूरू। न्यूजीलैंड ने बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए पहले टेस्ट में भारत को आठ विकेट से हरा दिया है। 107 रन के लक्ष्य का पीछा करने में कीवी टीम को काफी परेशानी हुई। शुरुआती सत्र में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने अपनी स्विंग से बल्लेबाजों को खूब परेशान किया। हालांकि, बल्ले का किनारा लगकर चौके आते रहे और किस्मत ने भी भारतीय गेंदबाजों का साथ नहीं दिया। इसकी वजह से टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ कीवी टीम ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अगला मुकाबला 24 अक्तूबर से पुणे में खेला जाएगा। भारत ने पहली पारी में 46 रन बनाए थे। जवाब में न्यूजीलैंड की पहली पारी 402 रन पर समाप्त हुई थी। इस तरह कीवी टीम को 356 रन की बढ़त हासिल थी। दूसरी पारी में भारतीय टीम ने 462 रन बनाए और 106 रन की बढ़त हासिल की। जवाब में न्यूजीलैंड ने 107 रन के लक्ष्य को 27.4 ओवर में दो विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

पुलिस स्मृति दिवस: सीएम योगी ने की पुलिसकर्मियों का वर्दी भत्ता बढ़ाने की घोषणा

» वर्दी भत्ते में 70 व अलाउंस में हुई 25 प्रतिशत की वृद्धि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर वर्दी भत्ते में 70 प्रतिशत की वृद्धि, बैरक में रहने वाले आरक्षियों के पुलिस अकोमोडेशन अलाउंस में 25 प्रतिशत की वृद्धि और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खेलकूद में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, आहार समेत अन्य मदों के लिए अगले वित्तीय वर्ष के बजट में 10 करोड़ रुपये बढ़ाने की घोषणा की। इन घोषणाओं पर प्रदेश सरकार 115 करोड़ रुपये का खर्च वहन करेगी।

फोटो: सुमित कुमार

सीएम योगी ने बहु मंजिला आवास और प्रशासनिक भवन के रखरखाव के लिए 1,380 करोड़ रुपए के कॉरपस फंड की घोषणा की। वहीं अंतरराष्ट्रीय आयोजन में पुलिस बल पर आने वाले खर्च पर प्रस्तावित शुल्क लगाने की स्वीकृति की, जो पुलिस महानिदेशक के अधीन रहेगा। साथ ही इसका सम्मान प्रस्तावित कॉरपस नियमावली के तहत किया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दिवगंत शहीद पुलिस कर्मियों को याद किया।

दो शहीद पुलिसकर्मियों को सीएम ने दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर सोमवार को पुलिस लाइन में दो शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को सम्मानित भी किया। हर साल 21 अक्तूबर को प्रदेश में शहीद हुए पुलिसकर्मियों की याद में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया जाता है। इस साल दो पुलिस कर्मी रोहित कुमार व सचिन राठी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बहराइच हिंसा पर नूपुर ने दिया विवादित बयान, फिर मांगी माफी

नेत्री के भाषण देते समय राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल भी मंच पर थे उपस्थित

» बुलंदशहर में एक ब्राह्मण सभा को संबोधित करते हुए निकले नूपुर शर्मा के बिगड़े बोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व बीजेपी नेत्री नूपुर शर्मा बहराइच हिंसा को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उन्होंने हिंसा में मारे गए रामगोपाल मिश्रा की मौत को लेकर गलत दावा किया, जिस पर बवाल बढ़ गया। इसके बाद उन्हें माफी मांगनी पड़ गई है। उनका कहना है कि उन्हें पोस्टमार्टम रिपोर्ट के स्पष्टीकरण के बारे में जानकारी नहीं थी। मीडिया से सुनी हुई बातों के आधार पर उन्होंने बयान दिया।

नूपुर शर्मा ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'दिवंगत राम गोपाल मिश्रा जी के बारे में जो मैंने मीडिया में सुना था वह मैंने दोहराया। मुझे पोस्टमार्टम रिपोर्ट के स्पष्टीकरण के बारे में नहीं पता था। मैं अपने शब्द वापिस लेती हूं और क्षमा मांगती हूं।'

नूपुर शर्मा ने बुलंदशहर में एक ब्राह्मण सभा को संबोधित करते हुए रामगोपाल मिश्रा को लेकर कहा था, '35 गोलियां, नाखून उखाड़ दिया, पेट फाड़ दिया, आंखें निकाल लींज क्या झंडा हटाने के लिए हमारे देश का कानून किसी की हत्या करने की इजाजत देता है? ये कोई आम बात नहीं है। अपने से आगे सोचना पड़ेगा। पहले देश के बारे में सोचिए, दूसरा सनातन समाज के बारे में सोचिए।'

रामगोपाल मिश्रा की एक क्रूर हत्या थी: नूपुर शर्मा

नूपुर ने कहा, 'बंटेंगे तो कटेंगे, हम मच्छर नहीं हैं कि हमें कुचला जाएगा। अपने समाज के लिए क्या कर सकते हैं ये पहले सोचना शुरू कर दीजिए। मेरा कष्ट देश, समाज और धर्म से बड़ा नहीं है, लेकिन जब तक जीवित हूं तब तक याद दिलाती रहूंगी कि हमने उस समय आवाज उठा ली होती तो आज परेशानी मेरे घर नहीं आती, इसको सोचिएगा।' नूपुर शर्मा जिस समय मंच पर भाषण दे रही थीं उस समय हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्रा भी उपस्थित थे। नूपुर शर्मा ने कहा कि रामगोपाल मिश्रा की एक क्रूर हत्या थी, लेकिन यूपी सरकार ने सभी कदम उठाए। उन्होंने पहले भी कहा था और वे इसे फिर से कहती हैं कि हिंदू जीवन मायने रखता है।आप कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकते।

गोली लगने से हुई रामगोपाल मिश्रा की मौत, पुलिस का दावा

दरअसल, बहराइच हिंसा में मारे गए रामगोपाल मिश्रा की हत्या को लेकर तमाम तरह के दावे किए गए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का जिक्र कर कहा गया कि उसे बहुत यातनाएं दी गईं और यहां तक की नाखून उखाड़ लिए गए। इस तरह की अफवाहों पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने विराम लगा दिया। उसने कहा कि ये सरासर गलत खबरें हैं। इस तरह कोई कृत्य नहीं किया गया है। पुलिस ने अफवाह न फैलाने के अपील की थी। पुलिस ने रामगोपाल मिश्रा की मौत का कारण गोली लगना बताया।

करहल उपचुनाव: मुलायम को नमन कर तेज प्रताप ने किया नामांकन

» अखिलेश यादव के कन्नौज से सांसद चुने जाने के बाद करहल विस सीट हुई है रिक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नेता जी मुलायम सिंह के अंत्येष्टि स्थल पर नमन करके सोमवार को पूर्व सांसद और विधानसभा उपचुनाव के सपा प्रत्याशी तेज प्रताप यादव नामांकन करने के लिए मैनपुरी के लिए रवाना हुए। उनके साथ जिला पंचायत अध्यक्ष अभिषेक यादव समेत परिवार के कई लोग शामिल हुए।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के कन्नौज से सांसद चुने जाने के बाद करहल विधानसभा सीट रिक्त हुई है। इस सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सपा ने अखिलेश यादव के भतीजे और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के दामाद तेज प्रताप यादव को प्रत्याशी बनाया गया है। सोमवार सुबह 10.30 बजा सपा प्रत्याशी तेज प्रताप यादव ने सैफई स्थित आवास पर हवन पूजन किया। इसके बाद सैफई मेला ग्राउंड में बने नेताजी मुलायम सिंह यादव के समाधि स्थल पर पहुंचकर माथा टेकते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। फिर सैफई पेट्रोल पंप रोड स्थित पिता रणवीर सिंह यादव की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर आशीर्वाद लेकर नामांकन किया। उनके साथ विधायक प्रदीप यादव, चंदगीराम यादव प्रधान, राजवीर सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

सपा अध्यक्ष व डिंपल यादव लखनऊ से सीधे पहुंचे मैनपुरी

सपा मुखिया अखिलेश यादव एवं सांसद डिंपल यादव लखनऊ से आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे से होकर 12:00 बजे मैनपुरी जिला मुख्यालय पर पहुंचे। जहां समाजवादी पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव, राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, सांसद धर्मेंद्र यादव, सांसद आदित्य यादव, सांसद अक्षय यादव सहित सपा मुखिया के परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

भाजपा हार के डर से मतदाता सूची में कर रही छेड़छाड़: शिवसेना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले, विपक्षी दल शिवसेना (यूबीटी) ने सोमवार को आरोप लगाया कि 150 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूचियों में फर्जी नाम शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके बारे में उसने दावा किया कि भाजपा इन सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना में एक संपादकीय में यह भी दावा किया गया कि इस तरह की छेड़छाड़ इसलिए की जा रही है क्योंकि भाजपा को राज्य के विधानसभा चुनावों में हार का डर है। सामना के संपादकीय में आरोप लगाया गया है, भाजपा ने राज्य में हार के डर से मतदाता सूची में छेड़छाड़ करने के लिए इस तरह के अनैतिक उपायों का सहारा लिया है।

रायबरेली: बिजली के पोल से टकराई तेज रफ्तार बाइक, तीन युवकों की मौत

» तीनों दोस्त की बर्थडे पार्टी में शामिल होने की बात कह कर निकले थे घर से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के बहाई गांव के निकट रविवार की देर रात को सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। सोमवार की सुबह लोगों को घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जरूरी लिखापढ़ी के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तीनों दोस्त अपने घरों से किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी में शामिल होने की बात कह कर घर से निकले थे।

सरेनी थाना क्षेत्र के पूरे उसरहा (पूरेचंद्रशेखर) मजरे गोपाली खेड़ा गांव

निवासी अभिषेक उर्फ गोपाल मिश्रा व उसका चचेरा भाई शिवेंद्र मिश्रा व बेनीमाधवगंज निवासी प्रशांत बाजपेई दो अलग-अलग एक ही रंग की नई बाइकों से शाम करीब सात बजे घर से निकले थे।

देर रात बहाई गांव के निकट उनकी बाइकें सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बिजली का पोल टूट कर गिर गया और दोनों बाइकों का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद दोनों बाइकों पर सवार युवक बाइक समेत खड्डु में जा गिरे। सुबह ग्रामीणों ने उन्हें खड्डु में पड़ा देखा तब घटना की जानकारी हुई।

आशंका जताई जा रही है कि देर रात को दुर्घटना हुई और मृतक व उनकी बाइकें खड्डु में पड़ी होने के कारण लोगों जानकारी नहीं हो सकी। सूचना पर पुलिस उन्हें बाहर निकलवाया और उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने परीक्षण के बाद तीनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। अभिषेक उर्फ गोपाल का गांव में ही सेनेटरी टाइल्स का बड़ा व्यवसाय था, जबकि उसके चचेरा भाई शिवेंद्र की मलकेगांव में पेंट और सेनेटरी की दुकान थी। तीसरा मृतक प्रशांत बाजपेई डाक विभाग में कार्यरत था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।